सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 44 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 18 मार्च, 2025

मैंने सीखा है की जिंदगी में दोनों हाथों में पकड़ने वाले दस्ताने डालकर आगे नहीं बढ़ना चाहिए। आपमें कुछ वापस देने में सक्षम होने चाहिए।

–माया एंजिलो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

मुश्किल दौर में हार नहीं... 7 | बिहार में तैयार हो रहे अपने-अपने... 3 | भाजपा सरकार ने युवाओं, किसानों... 2

देश को महंगा पड़ गया नितिन गडकरी का बयान

औरंगजेब की क्रब को लेकर विवाद, कई जगह हिंदू-मुस्लिम तनाव

महाराष्ट्र से हिंसा का तांडव शुरू 10 थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा

» भाजपा नेता ने कहा था जो करेगा जात–पात की बात उसे पड़ेगी लात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान जो करेगा जात–पात की बात उसे पड़ेगी लात बयान देना महंगा पड़ गया। उनके इस बयान के 24 घंटे के भीतर उनकी लोकसभा क्षेत्र में जातिय दंगे भड़क गये। 10 थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। हालात चिंताजनक है, पुलिस को दंगाईयों पर काबू पाने के लिए आंसू गैस और रबर के गोले तक चलाने पड़े।

दरअस्ल औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर नागपुर के महाल गांधी गेट परिसर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के सामने औरंगजेब का पुतला जलाया। इन संगठनों का तर्क था कि औरंगजेब एक अत्याचारी शासक था और उसकी कब्र का महिमामंडन स्वीकार्य नहीं है।

गडकरी व फडणवीस ने शांति की अपील की

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शांति बनाये रखने की अपील की है। उनहोंने कहा है कि नागपुर शांति प्रिय शहर है। यहां ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने लोगों से शांत होने के लिए कहा है। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वीडियो जारी दंगों की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि मेरी घटनाओं पर नजर है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया है कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जो भी कड़े कदम उठाए जाने चाहिए उसे उठाया जाए और शांति बनाएं।

कैसे भड़का दंगा

शाम के समय, एक अफवाह फैली कि प्रदर्शन के दौरान पवित्र कलमा इस्लामी प्रार्थना लिखा कपड़ा और एक पवित्र पुस्तक जला दी गई है। इस अफवाह ने मुस्लिम समुदाय में आक्रोश बढ़ा दिया, जिससे दो गुटों के बीच तनाव बढ़ गया और हिंसा भड़क उठी। तनाव बढ़ने पर महाल, चिटनिस पार्क और आसपास के इलाकों में पथराव, वाहनों में आगजनी और पुलिस पर हमले की घटनाएं हुईं। उपद्रवियों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इस हिंसा में कम से कम 11 लोग घायल हुए, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। हिंसा के बाद 10 पुलिस थाना क्षेत्र कोतवाली, गणेशपेठ, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर थाना क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया।

गडकरी के बयान को सीधी चुनौती

नागपुर में दंगों को नितिन गडकरी के बयान को सीधी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि केन्द्रीय मंत्री ने दंगों से ठीक एक दिन पहले एक अल्पसंख्यक संस्थान में भाषण देते हुए कहा था कि यहां जात–बात की जो बात करेगे उसे लात मार दी जाएगी। उनके इस बयान के 24 घंटे के भीतर नागपुर में ऐसे दंगे भड़के कि 10 थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाना पड़ गया। राजनीतिक विशलेषक इन दंगों को भाजपा के भीतर चल रही राजनीतिक उठापटक बता रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि दंगे सरकार करवा रही है। पिछले लंबे समय से सरकार में शामिल मंत्री अनाप–शनाप बयान दे रहे हैं जिससे महौल गर्म हो गया।

कब्र या मजार को हटाना ठीक नहीं : मायावती

यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का कहना है कि किसी की भी कब्र व मजार आदि को क्षति पहुंचाना व तोड़ना ठीक नहीं है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि महाराष्ट्र में किसी की भी कब्र व मजार आदि को क्षति पहुंचाना व तोड़ना ठीक नहीं है, क्योंकि इससे वहां आपसी भाईचारा शांति व सौहार्द आदि बिगड़ रहा है। सरकार ऐसे मामलों में खासकर नागपुर के अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे, वरना हालात काफी बिगड़ सकते हैं जो ठीक नहीं।

“ दंगा सरकार ने कराया है। नागपुर में हुई हिंसा राज्य के गृह विभाग की विफलता को दर्शाती है। पिछले कुछ दिनों से मंत्री जानबूझकर भड़काऊ भाषण दे रहे थे जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

हर्षवर्धन सपकाल, कांग्रेस

नहीं थम रहे भाजपा नेता नितेश राणे के बिगड़े बोल

भाजपा नेता नितेश राणे ने बयान जारी कर कहा है कि औरंगजेब का मकबरा है, जो गंदगी है वो यहां रखने लायक नहीं है। उसे शौचालय भी घोषित करेंगे तो गलत नहीं है। हमारे छत्रपति शिवाजी और संभाजी महाराज के साथ जो कुछ भी किया था उसकी कोई भी गंदगी हमारे राज्य में रखने लायक नहीं है। यही भूमिका हमारे मुख्यमंत्री ने ली है और ये गंदगी अब ज्यादा दिनों की मेहमान नहीं है। सही समय पर आपको ब्रेकिंग न्यूज मिल जाएगी।

बाहरी लोग शामिल : प्रवीण दटके

भाजपा विधायक प्रवीण दटके ने दावा किया कि हिंसा में बाहरी लोग शामिल थे और यह एक सुनियोजित साजिश थी। वहीं, विपक्षी दलों ने इसे भाजपा की विभाजनकारी नीति का हिस्सा बताया है। सपा विधायक अबू आजमी के हालिया बयान जिसमें उन्होंने औरंगजेब की तारीफ की थी ने भी इस मुद्दे को हवा दी है। आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया है, जिसके बाद से यह विवाद पूरे राज्य में फैल गया है।

भाजपा सरकार ने युवाओं, किसानों और आम जनता को धोखा दिया : अखिलेश

» योगी पर सपा प्रमुख का वार हमारे सीएम तीसमार खां हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव का भातजपा सरकार व सीएम योगी हमला जारी है। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर नफरत की राजनीति करने और युवाओं, किसानों और आम जनता को धोखा देने के आरोप लगाया है। वहीं उनकी प्रतिक्रिया पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता प्रदेश डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि वह डिरेल्ड हैं उन्हें यूपी के बारे में कोई जानकारी नहीं है राज्य कितना आगे बढ़ चुका है। इससे पहले सपा प्रमुख ने सीएम योगी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें तीसमार खां बता दिया।

वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तीस मार खां करार दिया। यादव ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री तीस मार खां हैं क्योंकि उन्हें तीस की संख्या पसंद है। मरने वालों की संख्या 30 थी, आर्थिक गतिविधि 30 करोड़ रुपये की थी। हमारे मुख्यमंत्री के अलावा कोई भी हमें तीस मार खां का हिसाब नहीं दे सकता। कन्नौज सांसद ने देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह रंगों का त्योहार है जो खुशियां लेकर आता है। हम आशा करते हैं कि हमारे देश की गंगा-यमुना परंपरा फलती-फूलती रहे और लोग भाईचारे के साथ रहें, जैसा कि वे कई वर्षों से रहते आए हैं। सभी समुदायों के लोग सभी त्योहारों को एक साथ मनाते आए हैं। हम त्योहारों और उनसे जुड़े व्यवसायों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। सपा नेता ने बुलडोजर न्याय के मुद्दे पर राज्य की भाजपा सरकार की निंदा की और उम्मीद जताई कि सर्वोच्च न्यायालय न्याय करेगा।

त्यौहारों का राजनीतिकरण करने की कोई जरूरत नहीं

होली के त्यौहार से पहले मस्जिदों को तिरपाल से ढकने पर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी ने कहा कि त्यौहारों का राजनीतिकरण करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं कल होली मनाने वाले सभी लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे इसे उत्साहपूर्वक मनाएं लेकिन बिना सहमति के किसी भी मुस्लिम पर रंग न फेंके। मजबूरी में घर पर नमाज़ पढ़ी जा सकती है लेकिन मस्जिद में जुम्मे की नमाज़ अदा करना ज़रूरी है। मैं अपने मुस्लिम भाइयों से भी अनुरोध करूंगा कि अगर कोई आप पर रंग डालता है, तो झगड़ा न करें क्योंकि यह माफ करने का महीना है, भाईचारे का महीना है। मस्जिदों को ढका जाना चाहिए ताकि कोई भी रंग उस पर न फेंके और कोई विवाद ना हो।

सपा विधायक जाहिद बेग को नोटिस जारी

सपा के सदर विधायक जाहिद बेग और अन्य 30 लोगों पर गढ़ही तालाब की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगा है। प्रशासन ने इस मामले में विधायक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जाहिद बेग पर सरकारी जमीन कब्जा कर मकान बनवाने का आरोप लगा है। 30 अन्य लोगों के खिलाफ अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इस मामले में जब कब्जाधारकों से बात करने की कोशिश की गई, तो किसी ने कैमरे पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। जानकारी के अनुसार, पूर्व की सरकार के दौरान मुस्लिम बस्ती में स्थित 1 बीघा 7 बिस्वा की गढ़ही तालाब की जमीन को धीरे-धीरे पाटकर आलीशान मकान बनाए गए। आरोप है कि यह काम सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से हुआ। इसमें विधायक ज़ाहिद बेग के अलावा 30 अन्य लोगों ने भी मकान खड़े कर लिए हैं। सपा विधायक जाहिद बेग इस समय जेल में बंद हैं। जेल से ही उन्होंने गढ़ही तालाब को लेकर मिले नोटिस को खारिज करने और मुकदमा खत्म करने की मांग की है। प्रशासन इस मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है। माना जा रहा है कि अगर विधायक समेत अन्य आरोपियों का दोष साबित होता है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है।

जनहित के मुद्दों पर नहीं स्वार्थ की राजनीति पर ज्यादा जोर : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- जो बहुजन के हित में काम करेगा वही आगे बढ़ेगा

» आड़े नहीं आएंगे हमारे रिश्ते-नाते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मीडिया के सामने अपनी कई बातें रखीं। इस दौरान उन्होंने सामाजिक परिवर्तन और जातिवादी मानसिकता से हटकर बहुजन समाज को सम्मान दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आजकल जनहित के मुद्दों पर कम अपने-अपने स्वार्थ की राजनीति पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यह चिंताजनक है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि होली और रमजान पर्व के बीच देशभर में कार्यकर्ताओं ने कांशीराम की जयंती बनाई। इससे न सिर्फ हमें बल मिला बल्कि कांशीराम के विचार लोगों तक पहुंचे। कहा कि यूपी हमारे नेतृत्व में बनी सरकार ने वास्तव में सामाजिक परिवर्तन किया। मायावती ने कहा कि हमारी सरकार बनने से पहले बहुजन समाज के लोगों को सामान्य लोगों के बराबर कुर्सी या चार। कहा कि 2007 में यूपी में हमारे नेतृत्व में बनी बसपा सरकार ने बहुजन को यह अधिकार दिलाया। इसके बाद बहुजन समाज के लोगों को सभी के बराबर कुर्सी और चारपाई पर बैठने को मिला। यही असल में सामाजिक परिवर्तन था। बहुजन समाज के लोगों को यह याद रखना चाहिए। मायावती ने कहा कि विपक्षी पार्टियां बहुजन समाज की एकमात्र पार्टी बसपा को कमजोर करने में लगी हैं। जातिवादी मानसिकता वाली पार्टियां डॉ आंबेडकर के विचारों को भी समाप्त करने की पुरजोर कोशिश की थी। लेकिन, बाबा साहेब और फिर कांशीराम ने ऐसे लोगों को उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। अब हम भी बहुजन समाज के हित में ऐसी जातिवादी पार्टियों के मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे।

ग्रामीण छात्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं, उन्हें तराशने की है जरूरत : दीपू

» आदर्श शान्ति शिक्षा निकेतन में धूमधाम से मना वार्षिकोत्सव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सेमरी। आदर्श शान्ति शिक्षा निकेतन में धूमधाम से वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने संगीत, नृत्य और गायकी के माध्यम से अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि सांसद रामभुवाल निषाद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि सपा नेता दीपू श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर तथा सरस्वती मां के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

उन्होंने कहा कि नन्हें मुन्ने बच्चों का उत्साहवर्धन हो तो वे अलग अलग क्षेत्रों में आगे निकल सकते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रस्तुति देख कर लगता है कि उनमें प्रतिभा कूट कूट कर भरी है। यदि ग्रामीण छात्रों को तराशा जाए तो वे विज्ञान, अभिनय, खेल, गीत, नृत्य के क्षेत्र में आगे निकल सकते हैं। छात्रसभा सपा जिला उपाध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि बच्चों के गीत और नाटक के माध्यम से समाज में अच्छा संदेश जाता है। उन्होंने उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद देकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं वे दुनिया भर में सफल हो रहे हैं : नायडू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जो लोग अपनी मातृमें शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह एक गलत धारणा प्रचलित है कि केवल अंग्रेजी में ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। विधानसभा में मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, केवल संवाद का माध्यम है। ज्ञान से नहीं आ जाएगा। जो लोग अपनी मातृमें पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृमें शिक्षा हासिल करना आसान होता है।

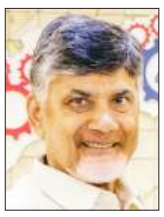

नायडू की यह टिप्पणी उपमुख्यमंत्री और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार के बीच जारी विवाद पर टिप्पणी करने के बाद आई है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आपसे यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं... नफरत करने के लिए नहीं है। यहां (आंध्र प्रदेश में) मातृतेलुगु है। हिंदी 'राष्ट्रीय भाषा' है और अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी है। नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि आजीविका के लिए मातृको भूले बिना अधिक से अधिक भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सीखने से दिल्ली में हिंदी में सहजता से बातचीत की जा सकती है। उन्होंने अपील की कि भाषाओं को लेकर अनावश्यक राजनीति में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है। नायडू ने अधिक से अधिक भाषाएं सीखने का आह्वान किया।

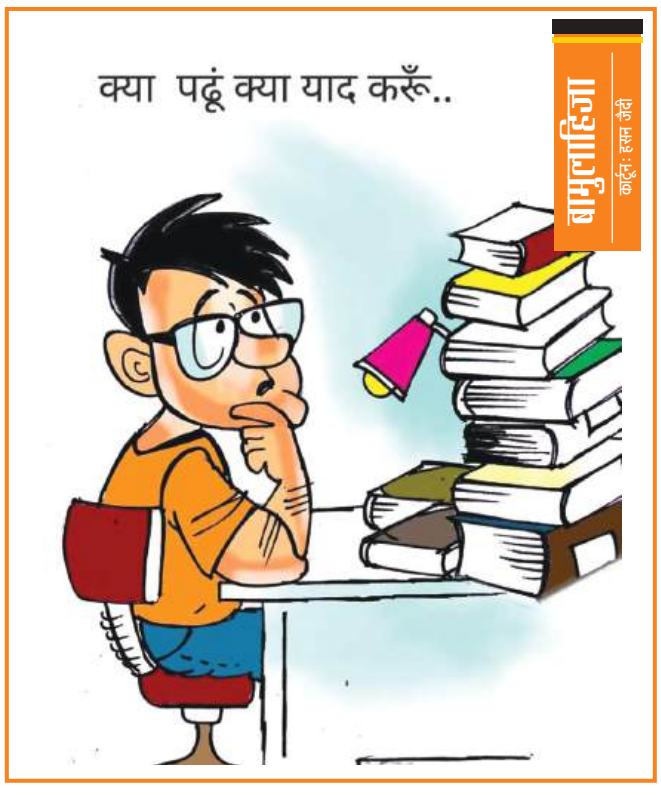

पूरी तरह से निरंकुश हो चुकी है प्रदेश की पुलिस : अजय राय

» बोले- किए जाएं वकीलों की सुरक्षा के इंतजाम

» मुख्यमंत्री योगी को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में वकील तक सुरक्षित नहीं है। वकीलों के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट करना साबित करता है कि पुलिस पूरी तरह से निरंकुश हो चुकी है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर वकीलों की सुरक्षा का इंतजाम करने की मांग की है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा है कि प्रदेश में अधिवक्ताओं की दशा अत्यंत चिंताजनक होती जा रही है। एक तरफ न्यायालय परिसरों में न तो उनके बैठने की समुचित व्यवस्था है और न ही उनकी सुरक्षा के लिए कोई ठोस उपाय किए गए हैं। अधिवक्ता कल्याण अधिनियम में प्रदत्त सुविधाओं की भी कोई सरकारी गारंटी नहीं है। कार्य के दौरान दुर्घटना होने पर वकीलों को किसी प्रकार का मुआवजा नहीं मिलता है। केंद्र सरकार अधिवक्ता सुरक्षा बिल लाने के बजाय उनके अधिकारों को संकुचित करने का प्रयास कर रही है।

बिहार में तैयार हो रहे अपने-अपने हथियार

विपक्ष के निशाने पर आए सीएम नीतीश कुमार, भाजपा-जदयू के साथ राजद व कांग्रेस भी सियासत में जुटी, तेजस्वी, कन्हैया व पीके ने शुरू की मोर्चेबंदी, राज्य में आम व जनमुद्दों को मिल रही धार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इस वर्ष विधान सभा चुनाव होने हैं। सत्ता में बैठी बीजेपी व जदयू जहां फिर से सरकार में वापसी के लिए साम-दाम-दंड व भेद सभी प्रकार के हथकंडे अपना रही है। वहीं राजद नीतीश कुमार युवा व महिला उत्पीड़न को लेकर घेर रही है। उधर कांग्रेस बिहार में पलायन व बेरोजगारी को मुद्दा बनाकर उसके लिए पूरे राज्य में यात्रा निकाल रही है। इन सबके बीच सबसे नई पार्टी बनाने वाले पीके भी चुनावी रण में हाथ आजमाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहें है। राष्ट्रीय जनता दल की राजनीति का सुर चाहे जो हो पर जिन नेताओं के आधार पर पार्टी का अब तक का हित सधते आया है, वे ही बयानों में आज एक दूसरे के विरुद्ध खड़े दिखते हैं।

दरअसल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विरुद्ध राजनीति करते दिख रहे हैं। वहीं पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव या फिर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी नीतीश कुमार के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर रख रही हैं। और यह सब तब हो रहा है जब तेजस्वी यादव. सत्ता तो सत्ता, विपक्ष के भी निशाने पर हैं। हालांकि तेजस्वी नीतीश के ष्ठ यानी डेवलपमेंट के जवाब में अपना हथियार ङ्घह्वक्रको मान रहे हैं। आगामी विधान सभा चुनाव 2025 को ले कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का लेंथ और लाइन बिल्कुल क्लियर है। उनका मानना है कि वे किसी भी हाल में नीतीश कुमार को अब अपने साथ में नहीं लेंगे। दिलचस्प यहां यह है कि तेजस्वी यादव के सुर से सुर उनके परिवार के लोग ही नहीं मिला रहे है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने होली पर जो ङ्क पोस्ट किया उससे दूसरा ही संकेत मिला। लालू ने लिखा कि %हर पुरानी बात भूलकर आओ करें नई शुरुआत। प्रेम और अपनत्व के भाव से समाज में हो हर बात।% माना जा रहा है कि ये इशारा नीतीश के लिए था। इससे पहले राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए दरवाजा बंद नहीं है। उनके लिए राजद का दरवाजा खुला हुआ है। विधान परिषद के चलते सत्र में राबड़ी देवी ने नीतीश कुमार को महागठबंधन में आने का आमंत्रण दिया। पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती ने भी पिछले दिनों कहा था कि राजनीति में संभावना बनी रहती है। क्या पता वे महागठबंधन में आ जाएं, और वे आए भी हैं। भाई वीरेंद्र ने तो यहां तक कह डाला कि नीतीश भाजपा के दबाव में हैं। राजनीति में कोई हमेशा के लिए दोस्त और दुश्मन नहीं होता है। राजनीति परिस्थिति का खेल है। हो सकता है बिहार में फिर से खेला हो जाए। अगर नीतीश कुमार सांप्रदायिक ताकतों को छोड़ कर आएंगे तो हम उनका स्वागत करेंगे।

परिवारवाद की राजनीति में नीतीश कुमार!

नीतीश कुमार अब तक परिवारवाद और पति-पत्नी की सरकार का विरोध किया है, अब खुद इसी दलदल में फंसते दिख रहे हैं। उनके बेटे निशांत कुमार, जो अब तक अध्यात्म में रमे थे, अब राजनीति में रुचि दिखा रहे हैं। निशांत ने जनता और ह्वष्ट्र के रणनीतिकारों से अपील की है कि पापा नीतीश को फिर से मुख्यमंत्री बनाया जाए और उनके विकास कार्यों का सम्मान किया जाए। हालांकि राजनीतिक पंडित इसे अभी आधा सच मान रहे थे, लेकिन होली के मौके पर निशांत कुमार के ह्राव-भाव से उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा साफ झलक रही थी। जिस तरह से निशांत जेडीयू नेताओं से मिल रहे हैं, खासकर जिस तरह से उन्होंने वरिष्ठ नेता विजय चौधरी और कार्यकारी अध्यक्ष के कंधे पर हाथ रखकर मुस्कुराते हुए तस्वीरें खिंचवाईं, उससे लगता है कि वे अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने के लिए तैयार हैं।

तेजस्वी यादव का आत्मविश्वास बढ़ा

जाहिर है तेजस्वी यादव विधान सभा चुनाव 2025 को ले कर ज्यादा उत्साह और आत्मविश्वास में हैं। उन्हें लगता है कि पिछले चुनाव में राज्य की जनता ने 78 सीट दिलाकर सबसे बड़ी पार्टी बनाया। अब पिछड़ों की राजनीति करने वाले नीतीश कुमार की उम्र हो चुकी है तो राज्य के दलित, पिछड़े अब उनसे उम्मीद करेंगे। वे इसलिए भी नीतीश कुमार को थका हुआ, बीमार, खटारा आदि आदि कह कर पिछड़ों की राजनीति को अपने युवापन की तरफ खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

लालू- रामविलास के बाद नीतीशे निशांत

बिहार की राजनीति में समाजवाद के नाम पर आए तीन बड़े नेता, लालू प्रसाद यादव, रामविलास पासवान और नीतीश कुमार, परिवारवाद के विरोध में ख? हुए थे। लेकिन समय के साथ, ये तीनों नेता खुद परिवारवाद की राजनीति में फंसते दिख रहे हैं। लालू और पासवान ने तो पहले ही अपने परिवार के सदस्यों को राजनीति में आगे बढ़ा दिया। नीतीश कुमार अब इसी रास्ते पर चलते दिख रहे हैं, उनके बेटे निशांत कुमार के राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के संकेत मिल रहे हैं। लालू प्रसाद यादव ने कांग्रेस के परिवारवाद के खिलाफ संपूर्ण क्रांति का बिगुल बजाया था, आज खुद अपने परिवार को राजनीति में स्थापित कर चुके हैं। कांग्रेस के विरोध में उन्होंने अपनी राजनीति चमकाई। यहां तक कि कांग्रेस की परिवार नियोजन योजना का भी विरोध किया और 9 बच्चे पैदा किए। जब चारा घोटाले में जेल जाने की नौबत आई, तो उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अगर राबड़ी देवी सीएम नहीं बनतीं, तो पार्टी टूट जाती। इसके बाद लालू के साले सुभाष यादव, साधु यादव, बेटी मीसा भारती, बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव, और अब बेटी रोहिणी आचार्या, सभी राजद की राजनीति में सक्रिय हैं। रामविलास पासवान ने अपने भाषणों में अक्सर कहा करते थे कि रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होता, खुद अपने परिवार को राजनीति में आगे बढ़ाने से नहीं चूके। संपूर्ण क्रांति से निकले पासवान ने पहले ही लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी। लेकिन जब उनकी बारी आई, तो उन्होंने अपने भाई पशुपति पारस, रामचंद्र पासवान, मामा के परिवार हजारी फैमिली और फिर अगली पीढ़ी के चिराग पासवान और प्रिंस पासवान को राजनीति में उतारा। यह उनके उस कथन का विरोधाभास है, जिसमें उन्होंने परिवारवाद की राजनीति का विरोध किया था।

कांग्रेस के कन्हैया कर रहे नीतीश सरकार पर प्रहार

बिहार में रविवार से कांग्रेस ने पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा शुरू की है। इस यात्रा की अगुवाई कांग्रेस के कन्हैया कर रहे हैं। कांग्रेस के थिंकटैंक का मानना है कि राजनीतिक रूप से बेहद अहम बिहार में पार्टी अपने पैरों पर खड़ा होने का प्रयास कर रही है। पार्टी क्षेत्रीय आरजेडी की वैशाखी की छाप को छुड़ाना चाहती है। इतना बड़ा कदम उठाने के लिए कांग्रेस ने जिस मुद्दे को लेकर श्रीगणेश की है उसको लेकर सवाल उठने लगे हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के आलाकमान ने जिस मुद्दे को केंद्र में रखकर यात्रा शुरू करवाई है वह शायद ही कारगर साबित हो। पलायन रोको, नौकरी दो% पदयात्रा को लेकर कांग्रेस का कहना है कि इस यात्रा का मकसद बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के पलायन के मुद्दे को उठाना है। यात्रा की अगुवाई कर रहे कन्हैया कुमार ने कहा कि पार्टी महात्मा गांधी के भितिहरवा आश्रम से यह यात्रा शुरू की है। बापू की दांडी यात्रा और उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत से प्रेरणा लेकर यह यात्रा शुरू की गई है। यह पदयात्रा बिहार के विभिन्न जिलों से गुजरते हुए पटना में समाप्त होगी।

यात्रा में कांग्रेस के बड़े चेहरे उतरे

पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा के जरिए कांग्रेस पार्टी की एकजुटता भी दर्शाना चाहती है। यही वजह है कि इसमें केंद्रीय आलाकमान की ओर से भेजे गए नेताओं के साथ राज्य के बड़े चेहरे भी रैली में दिख रहे हैं। कांग्रेस के कई बड़े नेता जैसे बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और राहुल गांधी के करीबी नेता कन्हैया कुमार ने पश्चिमी चंपारण से इस यात्रा की शुरुआत की। यह यात्रा कांग्रेस के युवा और छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं की ओर से की जा रही है। हाल के दिनों में नौकरी को राजनीतिक मुद्दा बनाने का श्रेय आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को जाता है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव ही वह पहले नेता रहे जिन्होंने पहली बार वादा किया कि अगर वह सत्ता में आए तो 10 लाख सरकारी नौकरी देंगे। तेजस्वी यादव की ओर से उछाले गए इस मुद्दे का उनकी पार्टी और गठबंधन को फायदा भी हुआ। 2020 के चुनाव में आरजेडी 75 विधानसभा सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई। इसके बाद जब तेजस्वी को नीतीश कुमार के साथ करीब 17 महीने की सरकार चलाने का मौका मिला उस दौरान बिहार में टीचरों की बंपर भर्ती हुई।

हर 5 साल में बदलने चाहिए नेता, बिहार के नेता जनता से बेखौफ : प्रशांत किशोर

मुजफ्फरपुर में में प्रशांत किशोर ने समाज के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने नेताओं पर सिर्फ 5 साल भरोसा करने की बात कही। उन्होंने बिहार के विकास के लिए नेताओं की पारदर्शिता पर जोर दिया। उनका मानना है कि बिहार के नेता मुफ्त में वोट पाने के आदी हो गए हैं। इसलिए जनता को हर 5 साल में नेताओं को बदलना चाहिए। प्रशांत किशोर ने लोगों से अपील की कि वे नेताओं पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। लोकतंत्र में जनता को हर 5 साल में अपना नेता चुनने का अधिकार है। प्रशांत किशोर का कहना है कि जनता को इस अधिकार का सही इस्तेमाल करना चाहिए। उन्हें किसी भी नेता का 35 साल तक बंधुआ मजदूर बनकर वोट नहीं देना चाहिए। 5 साल के बाद नेता के काम का आकलन करें। अगर काम पसंद नहीं आया तो दूसरा नेता चुन लें। प्रशांत किशोर ने दक्षिण भारत के राज्यों का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि ये राज्य देश की जीडीपी में एक तिहाई योगदान देते हैं। विकास के मामले में भी ये राज्य आगे हैं। लेकिन यहां सरकारें बार-बार बदलती रहती हैं। कोई भी मुख्यमंत्री 10 साल से ज्यादा सत्ता में नहीं रहता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वहाँ के नेताओं को जनता का डर है। उन्हें पता है कि काम नहीं किया तो जनता उन्हें हटा देगी बिहार के नेताओं की बात करें तो उन्हें जनता का कोई डर नहीं है। वे मुफ्त में वोट पाने के आदी हो गए हैं। यहां की जनता भी नेताओं पर आंख मूंदकर भरोसा करती है। इसलिए बिहार का विकास नहीं हो पा रहा है। प्रशांत किशोर का मानना है कि व्यवस्था बदलने के लिए नेताओं की पारदर्शिता ?रूरी है। जनता को पता होना चाहिए कि नेता क्या कर रहे हैं। उनका पैसा कहाँ जा रहा है। इसके लिए नेताओं को अपनी आय और संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करना चाहिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आंदोलनों को हल्के में न ले सरकार!

एनडीए सरकार के दस साल पूरे होने के बाद ये 11वां साल है। इस बीच समय-समय पर आंदोलन व धरना प्रदर्शन होना आम बात हो गई। वर्तमान किसान आंदोलन के बाद अल्पसंख्यक समुदाय वक्फ बिल के खिलाफ जोरदार धरना प्रदर्शन कर रहा है। इन दस सालों में बीजेपी सरकार की कुछ नीतियों के खिलाफ किसान, पहलवान, मुसलमान, नवजवान समय-समय आंदोलन करते रहे। जब सड़क पर बहुत ज्यादा लोग उतर जाते हैं तो मोदी सरकार घबराकर बैकफुट पर चली जाती है। फिर वादे कर देती है, इसी तरह का वायदा किसानों को भी किया गया था कि उनके फसल के एमएसपी पर ध्यान दिया जाएगा। पर इतने महीने के बाद भी अभी मामला अधर में है। अब एकबार फिर किसानों ने यूपी-दिल्ली बॉर्डर पर अपनी मांगों को लेकर विशाल प्रदर्शन किया। अब सबसे विचारणीय प्रश्न यह है कि इतने आंदोलनों के बाद भी वर्तमान सरकार समस्याओं का समाधान क्यों नहीं कर रही है क्या सरकार खुद चाहती है इस तरह प्रदर्शन होते रहें ताकि अन्य गंभीर मुद्दों पर चर्चा न हो सके। लोकतंत्र में दबाव ग्रुप की भूमिका बहुत अहम होती है। ये ग्रुप सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आमजन की आवाज उठाते हैं। उनको भारतीय संविधान ने आंदोलन व प्रदर्शन करने का अधिकार दे रखा है। सरकारों को भी इन आंदोलनों की मांगों को ध्यान देकर समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। दरअसल, संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हजारों किसान नोएडा की सड़कों पर है। किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। पुलिस का सख्त घेरा तोड़कर आगे बढ़ गए, हालांकि थोड़ी दूर पर फिर से किसानों को रोक लिया गया है। उधर, भीषण जाम से हाहाकार मचा है। वाहन चालक और आम लोग परेशान हैं। ज्ञात हो कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मोर्चा से जुड़े 10 किसान संगठनों ने 25 नवंबर को प्रदर्शन कर महापड़ाव शुरू किया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाद किसान यमुना प्राधिकरण दफ्तर के सामने 28 नवंबर से धरने पर बैठे हैं। रविवार को किसानों और अधिकारियों के बीच हाईलेवल की मिटिंग बेनतीजा समाप्त हो गई थी। भीषण जाम में एंबुलेंस भी फंस गई। इस आंदोलन में किसान 10 फीसदी विकसित भूखंड और 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा की मांग कर रहे हैं। वहीं नए भूमि अधिग्रहण कानून के मुताबिक, एक जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित भूमि का मुआवजा देने, गौतमबुद्ध नगर में 10 वर्ष से सर्किल रेट भी बढ़ा ने की भी मांग कर रहे हैं। वही गौतमबुद्धनगर समते कई जिले में नए भूमि अधिग्रहण कानून के लाभ लागू करने की बात कर रहे हैं। साथ ही नए भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभ, हाई पावर कमेटी द्वारा किसानों के हक में भेजी गई सिफारिशें लागू की जाएं। भूमिधर, भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्विकास के लाभ मिलें। किसानों की मांगों पर सरकारों को गौर करना चाहिए क्योंकि भारत का किसान देश अन्नदाता होता है। वह पूरे देश नागरिकों का पेट भरता है इसलिए सरकार को किसानों की आवाज को दबाना चाहिए। उनकी आवाज सुनकर उनकी मांगों को मानना चाहिए।

सबसे विचारणीय प्रश्न यह है कि इतने आंदोलनों के बाद भी वर्तमान सरकार समस्याओं का समाधान क्यों नहीं कर रही है क्या सरकार खुद चाहती है इस तरह प्रदर्शन होते रहें ताकि अन्य गंभीर मुद्दों पर चर्चा न हो सके। लोकतंत्र में दबाव ग्रुप की भूमिका बहुत अहम होती है। ये ग्रुप सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आमजन की आवाज उठाते हैं। उनको भारतीय संविधान ने आंदोलन व प्रदर्शन करने का अधिकार दे रखा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समावेशी विकास से ही संभव विकसित भारत का लक्ष्य

सुरेश सेठ

भारत की विकास दर वर्तमान में दुनिया के समृद्ध देशों से बेहतर है, लेकिन हाल के सर्वेक्षणों के अनुसार पिछली दो तिमाहियों में यह 7 प्रतिशत से नीचे गिरकर 5.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि भविष्य में 7 प्रतिशत विकास दर बनाए रखने का अनुमान है। मंदी के चलते, देश में मांग में कमी के कारण निवेशकों को कम प्रतिफल मिल रहा है। वहीं अमेरिका, चीन व जापान में ब्याज दरें घटने से विदेशी निवेशक फिर से अमेरिका की ओर रुख कर रहे हैं।

चीन के आर्थिक संकट से यह उम्मीद थी कि निवेश भारत की ओर बढ़ेगा, लेकिन बेहतर दरों के कारण निवेश फिर से चीन की ओर लौटता दिख रहा है। वहीं, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ दरों में बदलाव और 'जैसे को तैसा' नीति ने भी स्थिति को प्रभावित किया है। यदि अमेरिका के साथ एक समग्र व्यापार समझौता हो जाता है, तो संभवत: हमारे यहां अमेरिकी आयातों पर भारी कर और मुद्रास्फीति का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारतीय विकास यात्रा के रास्ते में कई अवरोध खड़े हो गए हैं। जहां पूंजी निर्माण नहीं हो रहा, वहां दूसरी कृषि क्रांति का इंतजार अभी भी जारी है, लेकिन अधिकांश किसान आर्थिक बदहाली से बाहर नहीं निकल पाए हैं। भारत को उसकी उदार अनुकम्पा नीति और रियायती राशन वितरण के कारण एक ऐसा देश माना गया है, जहां लोग काम की बजाय आराम पसंद करने लगे हैं। कुछ वर्गों को काम नहीं मिलता, या उनका काम छुपी हुई बेरोजगारी माना जा सकता है, क्योंकि वे सकल घरेलू उत्पाद या आय में कोई वृद्धि नहीं करते। इससे देश की एक बड़ी जनसंख्या, खासकर महिलाएं और युवा, उत्पादक श्रम से बाहर हो गए हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इस स्थिति से उबरने के लिए एक नया नारा दिया है कि भारत का पर्यटन क्षेत्र सबसे अधिक कमाई वाला क्षेत्र है। यहां चार प्रकार का पर्यटन होता है। रमणीक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, मेडिकल पर्यटन और धार्मिक पर्यटन। इनमें से मेडिकल पर्यटन में काफी विकास की संभावना है। हालांकि, मोदी जी ने मेडिकल सीटों को रिकार्ड स्तर पर बढ़ाने की घोषणा की है, लेकिन अभी भी मेडिकल शिक्षा गरीब बच्चों के लिए एक सपना ही बनी हुई है।

रमणीक और धार्मिक पर्यटन की बात करें तो धार्मिक पर्यटन में श्री अमरनाथ यात्रा को भी गिना जा सकता

है, जो जल्द शुरू हो रही है। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के बाद जम्मू-कश्मीर में माहौल सुधरा है। वैष्णो देवी यात्रा में रिकार्ड टूट रहे हैं। इसके लिए सड़कों की स्थिति और पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था को सुधारना जरूरी है, ताकि दलाल इन्हें अपनी लूट का शिकार न बना सकें। अगर टूरिज्म को बढ़ावा देना है, तो प्रधानमंत्री का विचार है कि विंटर टूरिज्म को भी कारोबारी दुनिया का हिस्सा बना दिया जाए। शीतकालीन तीर्थाटन और बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने से पर्यटन क्षेत्र को अधिक कमाई मिल सकती है। लेकिन किसी भी पहाड़ी राज्य को देखें, तो जब ऑफ-सीजन होते हैं, तब होटल खाली रहते हैं और रमणीक स्थल सूने होते हैं। इसके अलावा, पर्यावरण प्रदूषण और असाधारण मौसम भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। जैसे हाल ही में बर्फबारी और बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश में लगभग सैकड़ों सड़कें बंद हो गई थीं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, पर्यटन क्षेत्र में उचित उपायों की आवश्यकता है।

मोदी ने विंटर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 'धूप सेको पर्यटन' का गढ़वाली शब्द प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य शीतकाल में पर्यटकों को नया अनुभव देना है। हालांकि, बर्फबारी और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण शीतकालीन पर्यटन खतरनाक हो सकता है, जिससे न केवल स्थानीय लोगों बल्कि पर्यटकों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। इसके बावजूद, शीतकालीन पर्यटन को बढ़ाने से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य रमणीक स्थलों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही, भारत में वैडिंग इकोनामी के रूप में हजारों करोड़ रुपये का कारोबार है, जो शादियों की धूमधाम और आर्थिक सामर्थ्य को दर्शाता है। पिछले दिनों एक नया चलन शुरू हुआ, जिसमें विदेशी स्थलों को वैडिंग डेस्टिनेशन के रूप में चुना जाने लगा। मोदी जी ने इस पर अपील की है कि वैडिंग डेस्टिनेशन हमारे अपने देश में तलाशे जाएं। राजस्थान के जयपुर और उदयपुर, लक्षद्वीप और कश्मीर की वादियां वैडिंग डेस्टिनेशन के लिए उपयुक्त हैं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री पहले कश्मीर का रुख करती रही है, अब उत्तराखंड की ओर भी जा सकती है।

देशहित में है राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का निर्धारण

मेज. जन. अशोक के. मेहता (अ.प्रा.)

रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने की पुरजोर सिफारिश करने वाले एन.एन. वोहरा एक समय रक्षा सचिव और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। 'भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां' नामक किताब वोहरा द्वारा संपादित निबंधों का एक मौलिक संग्रह है, जिसको लेकर उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में दिवंगत जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान -दोनों चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ- के साथ चर्चा की थी और कई सार्वजनिक व्याख्यान भी दिए हैं।

गत 28 फरवरी को हुई नवीनतम चर्चा में, उन्होंने दो मुद्दों पर जोर दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का अभाव; और राष्ट्रीय सुरक्षा वार्ता में पारदर्शिता की कमी। उन्होंने कई समस्याओं को सूचीबद्ध किया। एकल मंच दृष्टिकोण, अपर्याप्त उच्च रक्षा प्रबंधन, क्रॉस-डोमेन संपर्क की कमी और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों के साथ आंतरिक सुरक्षा को मिलाकर देखने में विफलता। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के लिए अलग से मंत्रालय बनाए जाने पर सुझाव दिया। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन के साथ, उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के तीन मसौदे तैयार किए गए थे, जिनमें से एक तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने अनुमोदित भी कर दिया था, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय होने के डर से कोई एक भी सार्वजनिक नहीं हुआ। चौथा मसौदा संभवत: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के पास अटका धूल फांक रहा है।

पिछले साल जनरल चौहान के साथ आमने-सामने की बातचीत के दौरान वोहरा उन्हें सहमत कर पाए कि राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत की असल में जरूरत है और 'कुछ लिखा जा रहा है।' हालांकि, इससे पहले, 29 मई, 2024 को लेफ्टिनेंट कर्नल गौतम दास (से.नि.) की पुस्तक 'इंडियन आर्ट ऑफ वॉर फॉर फ्यूचर चैलेंजेज' के विमोचन के दौरान, जब राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के बारे में पूछा गया, तो जनरल चौहान ने जवाब दिया था :' लिखित नीति की आवश्यकता नहीं हैज्हमने बीते 70 वर्षों में कई युद्ध लड़े हैं और प्रबंधन बढ़िया ढंग से कियाज्।' उसी वर्ष बाद में, जनरल चौहान के समान विचार वाले, एक 'अक्लमंद' जनरल ने सुरक्षा नीति को कलमबद्ध न किए जाने का अनुमोदन यह कहकर किया। यह हमारे दिमाग में है।' आधुनिक शासन कला में राष्ट्रीय हितों का प्रबंधन और सुरक्षा हेतु विभिन्न संस्थानों के काम का निष्पादन लिखित योजनाओं एवं आकस्मिकता पर क्रियान्वयन करने पर टिका है। सुरक्षा रणनीति समग्र रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा की समीक्षा कर बनाई जानी चाहिए, इससे जीडीपी के प्रतिशत आधारित संसाधन आवंटन, उच्च रक्षा संगठन और अनिश्चितताओं एवं बड़े पैमाने की व्यवधानों के युग में अंतर्निहित लचीलेपन के साथ रक्षा और सुरक्षा नियोजन में सकल क्षमता का निर्माण हो सकेगा। निवारण उपायों, कूटनीति और विकास को परिवर्तनों के अनुकूल ढलना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पेश करके खलबली मचा दी है। अचानक, यूरोप और नाटो, जो संभवत: अमेरिका से अलग हो जाएंगे, अपने रक्षा बजट को न केवल 2 प्रतिशत, बल्कि 5 प्रतिशत तक बढ़ाने को हाथ-पैर मार रहे हैं। रूस दुश्मन है, लेकिन लगता है अब अमेरिका के लिए नहीं रहा। 1991 में, सोवियत संघ के विघटन के बाद, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ फील्ड मार्शल लॉर्ड ब्रैमल ने इस लेखक से कहा था कि ब्रिटेन का अब कोई दुश्मन नहीं रहा। उन्होंने कहा : 'हम कोई ढूंढ़ रहे हैं'। और उन्हें एक मिल गया।

दीर्घकालिक रक्षा नियोजन न होने ने भयावह परिचालन स्थितियों को जन्म दिया। इनमें से एक, जो पिछले दो दशकों से भारत के सामने मुंह बाए खड़ी थी,अब विस्फोटक रूप धर चुकी है। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान स्कवाड्रनों की संख्या घटकर 31 से भी कम रह गई, जबकि प्रावधान 42 स्क्वाड्रन बनाए रखने का है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अभूतपूर्व कड़ाई से एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हाल ही में कहा :'हल्के लड़ाकू विमानों की जो संख्या देने का एचएएल ने वादा किया, वह उनकी आपूर्ति देने में विफल रहा है उन्होंने आगे कहा मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं रहा।

वह मिशन मोड में नहीं है।' भारतीय वायुसेना को हर साल 35-40 नए लड़ाकू विमान चाहिये, एचएएल ने 2025 में 24 एलसीए एमके-1ए देने का वादा किया है। एपी सिंह कहते हैं कि बाकी निजी क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराए जा सकते हैं। लेकिन 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों पर 'आवश्यकता की स्वीकार्यता' वाली स्थिति की अनदेखी और पिछले महीने ट्रम्प-मोदी के संयुक्त बयान में जीई-414 इंजन का उल्लेख नहीं होने के साथ, भारतीय वायु सेना को विकट परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जैसा कि वायुसेना के एक पूर्व प्रमुख ने गत सप्ताह इस लेखक को बताया कि इससे भारतीय वायुसेना दो मोर्चों पर एक साथ भिड़ने की क्षमता रखने में असमर्थ हो जाती है। उन्होंने याद किया कि उनके कार्यकाल (1986-2002) के दौरान, भारतीय वायुसेना के पास साढ़े 39 स्क्वाड्रन होती थीं, और रक्षा बजट खर्च जीडीपी का 3-4 फीसदी था। अल्बानी विवि में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय मामले और सुरक्षा विशेषज्ञ क्रिस्टोफर क्लेरी का कहना है- 2014-2024 के बीच, जहां चीन और पाकिस्तान ने क्रमश: 435 और 31 लड़ाकू जहाज अपने बेड़े में जोड़े वहीं अंतर्राष्ट्रीय सामरिक अध्ययन संस्थान के आंकड़ों के अनुसार भारत की सूची में 151 विमान घटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि यह युग युद्ध का नहीं,और भारत को युद्ध का नहीं बुद्ध का देश बताते हैं।

चिरौंजी

नेचुरल तरीकों से हटाता है चेहरे के दाग-धब्बे

ड्राई फ्रूट्स सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। चिरौंजी भी उन्हीं में से एक है। चिरौंजी को बुकानानिया लैनजन के नाम से भी जाना जाता है। यह एक पेड़ है। इसके बीजों का उपयोग चिकित्सा में कई स्वास्थ्य लाभों के लिए किया जाता है। ये छोटे आकार के बीज होते हैं। चिरौंजी में एंटीऑक्सीडेंट, फैटी एसिड और विटामिन से भरपूर होते हैं, जो त्वचा की देखभाल से स्वास्थ्य को कई लाभ पहुंचाते हैं। यह खासकर त्वचा के दाग-धब्बों के इलाज के लिए भी काफी कारगर होते हैं। चाहे आप मुंहासों के निशान, काले धब्बे या असमान त्वचा की समस्या से जूझ रहे हों, चिरौंजी दाग-धब्बों को कम करने और स्वस्थ रंगत को वापस लाने में मदद करती है। अगर आप चेहरे के दाग धब्बों से परेशान हैं तो चिरौंजी का उपयोग कर सकते हैं। जो अपनी स्किन को स्वास्थ्य कर सकती हैं।

चिरौंजी और शहद

चिरौंजी और शहद से दाग-धब्बे का उपचार शहद अपने जीवाणुरोधी और सुखदायक गुणों के लिए जाना जाता है, जो मुंहासों के इलाज और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है। चिरौंजी के साथ मिलाने पर, यह दाग-धब्बों के उपचार के लिए एक शक्तिशाली उपाय बन जाता है। शहद के जीवाणुरोधी गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं, जबकि चिरौंजी की त्वचा को गोरा करने और ठीक करने वाले गुण समय के साथ दाग-धब्बों और निशानों को कम करते हैं। इसके लिए 1 बड़ा चम्मच चिरौंजी पाउडर, 1 चम्मच शहद लें। इसे बनाने के लिए चिरौंजी पाउडर को शहद के साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे दाग-धब्बों या काले धब्बों पर लगाएं। सामग्री को आपकी त्वचा पर काम करने देने के लिए इसे लगभग 20-30 मिनट तक लगा रहने दें। गुनगुने पानी से धो लें।

चिरौंजी और चंदन पाउडर

फेस पैक चंदन का इस्तेमाल सदियों से त्वचा को आराम देने वाले और चमकदार बनाने वाले गुणों के लिए किया जाता रहा है। चिरौंजी के साथ मिलाने पर यह फेस पैक त्वचा को चमकदार बनाते हुए दाग-धब्बों और निशानों को कम करने में मदद करता है। चंदन में सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो त्वचा को शांत करने और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करते हैं। चंदन और चिरौंजी का मिश्रण त्वचा को चमकदार बनाता है, जिससे यह अधिक समान रंगत और चमकदार बनती है। इसे बनाने के लिए 1 बड़ा चम्मच चिरौंजी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच चंदन पाउडर जरूरी है।

चिरौंजी और गुलाब जल टोनर

गुलाब जल त्वचा को तरोताजा करने, उसके pH को संतुलित रखने और दाग-धब्बों को कम करने के अपने गुणों के लिए जाना जाता है। गुलाब जल के साथ चिरौंजी पाउडर मिलाने से स्किन को कसने, दाग-धब्बों को कम करने और त्वचा की समग्र बनावट में सुधार करने में मदद मिलती है। गुलाब जल त्वचा को हाइड्रेट और संतुलित करने में मदद करता है जबकि चिरौंजी दाग-धब्बों को कम करती है और त्वचा की बनावट को बढ़ाती है, जिससे आपका चेहरा तरोताजा और जवां महसूस करता है। इसके लिए 1 चम्मच चिरौंजी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल की आवश्यकता पड़ती है।

दूध के साथ बनाएं पैक

चिरौंजी के बीजों में सूजनरोधी गुण होते हैं, जो दाग-धब्बों के कारण होने वाली लालिमा और जलन को कम करने में मदद करते हैं। दूध अपने मॉइस्चराइजिंग और चमकदार गुणों के लिए जाना जाता है। इसके साथ चिरौंजी मिलाने पर यह पैक दाग-धब्बों से मुक्त त्वचा के लिए एक पावर हाउस बन जाता है। चिरौंजी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट काले धब्बे और दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके लिए 1 बड़ा चम्मच चिरौंजी के बीज (पाउडर में पिसे हुए), 2 बड़े चम्मच दूध की आवश्यकता होती है। इसे बनाने के लिए चिरौंजी के बीजों को ग्राइंडर का उपयोग करके बारीक पीस लें। एक छोटे कटोरे में, चिरौंजी पाउडर को दूध के साथ मिलाकर चिकना पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर समान रूप से लगाएं, विशेष रूप से दाग-धब्बों वाले क्षेत्रों पर। मास्क को सूखने तक 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए मास्क को गोलाकार गति में धीरे से रगड़ कर हटाएं।

हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे .. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबेंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों..? हसबेंड- भीख मांगने।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार,18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस हैं, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

पत्नी- शरम नहीं आती, दुसरी औरत को घुर-घुर कर देख रहे हो! अब तुम शादी शुदा हो। पति- ऐसा कहां लिखा है की उपवास हो तो खाने का मेनू भी नहीं देख सकते।

मुकेश अंबानी- अगर मैं सुबह से अपनी कार में निकलूं तो शाम तक अपनी आधी प्रॉपर्टी भी नहीं देख सकता, संता- हमारे पास भी ऐसी ही खटारा कार थी, बेच दी।

सरदार अपनी बीवी के साथ टैक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदार- (गुस्से में) तू मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

बाप- बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दे तो कार मांगना, कूलर दे तो एसी मांगना, लड़का- वो लड़की देंगे तो उसकी मां को भी मांग लूंगा।

कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। हानि संभव है।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। आय बनी रहेगी।

मीन

किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं फिल्मों में बाहरी होने के बावजूद सफल रहा: कार्तिक

करण जौहर और कार्तिक आर्यन पुरानी अनबन को भुलाकर साथ में एक नई फिल्म बना रहे हैं। हाल ही में आईफा अवॉर्ड्स में दोनों ने शो की होस्टिंग भी की। एक मजेदार सेगमेंट में करण और कार्तिक ने रैप बैटल किया। इसमें दोनों ने एक-दूसरे के काम पर हल्के-फुल्के तंज कसे। हाल ही में अभिनेता ने इसका वीडियो साझा किया है, जो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में करण और कार्तिक अपने अंदाज में रैप करते नजर आ रहे हैं। करण ने अपने रैप में कहा कि वह बॉलीवुड के सदाबहार फैकल्टी हैं। वहीं, उन्होंने कार्तिक को नया स्टूडेंट करार दिया। साथ ही, उन्होंने खान और कपूर फैमिली को असली सुपरस्टार कहकर तारीफ की। इसके अलावा करण ने रैप में खुद को किंगमेकर भी कहा। इस रैप बैटल में कार्तिक ने जवाब में अपनी मेहनत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह बाहरी होने के बावजूद सफल हुए। कार्तिक ने भूल भुलैया 3 की कामयाबी का हवाला दिया। साथ ही, करण की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 असफलता पर भी चुटकी ली। बता दें कि कार्तिक को भूल भुलैया 3 के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड मिला है। फिल्म में उन्होंने रूह बाबा का किरदार निभाया था जो फैंस को काफी ज्यादा पसंद आया था। इस अवॉर्ड को लेते वक्त कार्तिक भावुक हो गए थे। उन्होंने अपने करियर की मुश्किलों को याद करते हुए कार्यक्रम में कहा था, मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं चंदू नहीं, चैंपियन हूं। उन्होंने भूल भुलैया की पूरे सफर को कांटों भरा बताया था। कार्तिक ने कहा था कि भूल भुलैया 2 के लिए चुने जाने पर लोगों ने सवाल उठाए थे। सबको शक था कि क्या वह फिल्म को हिट करा पाएंगे। उन्होंने भूल भुलैया 3 की रिलीज को लेकर भी बात की थी। अभिनेता ने कहा था कि टीम को डर था कि रिलीज की तारीख सही है या नहीं। यह शायद अजय देवगन की सिंघम अगेन से टक्कर की वजह से था। कार्तिक ने कहा था कि इस फ्रेंचाइजी के साथ हमेशा सवाल और शक रहे। आखिर में उन्होंने फैंस का शुक्रिया भी अदा किया था।

अमेरिका अपने पास ही रखे अवॉर्ड : कंगना

फैंस के इमरजेंसी के लिए ऑस्कर की मांग पर बोलीं रनौत

कंगना रनौत की इमरजेंसी पिछले हफ्ते नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई और वह इंस्टाग्राम पर इसके लिए नई प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं साझा कर रही हैं। फिल्म भले ही सिनेमाघरों में अपना कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन इसे ओटीटी पर काफी प्यार मिल रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने फिल्म की तारीफ भी की है और एक फैन ने तो इसके ऑस्कर जीतने तक की बात कह दी। दरअसल, फिल्म की तारीफ करते हुए एक यूजर ने ट्वीट किया, इमरजेंसी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। इसे भारत से ऑस्कर में जाना चाहिए। इस पर कंगना ने ट्वीट को रीपोस्ट किया और लिखा, लेकिन अमेरिका अपना असली चेहरा स्वीकार नहीं करना चाहेगा, कि कैसे वे विकासशील देशों को धमकाते हैं, दबाते हैं और उन पर दबाव डालते हैं। यह इमरजेंसी में उजागर हो गया है। वे अपना मूर्खतापूर्ण ऑस्कर अवॉर्ड अपने पास रख सकते हैं। हमारे पास राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। इसके साथ ही फिल्म निर्माता संजय गुप्ता ने भी फिल्म की तारीफ की। उन्होंने ट्वीट किया, आज मैंने कंगना रनौत की इमरजेंसी देखी। सच कहूं तो मैंने इसे देखने की योजना नहीं बनाई थी, क्योंकि मैंने पहले ही इसके बारे में अनुमान लगा लिया था। मुझे खुशी है कि मैं गलत था। कंगना की परफॉरमेंस और डायरेक्शन दोनों ही शानदार फिल्म है। बेहतरीन और विश्व स्तरीय। वहीं, कंगना ने संजय गुप्ता के ट्वीट के जवाब में कहा, फिल्म इंडस्ट्री को अपनी नफरत और पहले से बनाई गई धारणाओं से बाहर आना चाहिए और अच्छे काम को स्वीकार करना चाहिए, उस बाधा को तोड़ने के लिए धन्यवाद संजय जी, सभी फिल्मी बुद्धिजीवियों को मेरा संदेश, मेरे बारे में कभी कोई धारणा न रखें, मुझे समझने की कोशिश भी मत करना, मैं पहुंच से बाहर हूं। इमरजेंसी शुक्रवार को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई और रविवार शाम तक यह फिल्मों की सूची में नंबर वन पर ट्रेंड कर रही है। इसके बाद अजय देवगन की आजाद और नागा चैतन्य-साई पल्लवी की तंडेल का स्थान है। इमरजेंसी में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर, मिलिंद सोमन और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी हैं। इसे जी स्टूडियो और मणिकर्णिका फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म को लेकर 'पुष्पा' के निर्देशक से चल रही शाहरुख की बात!

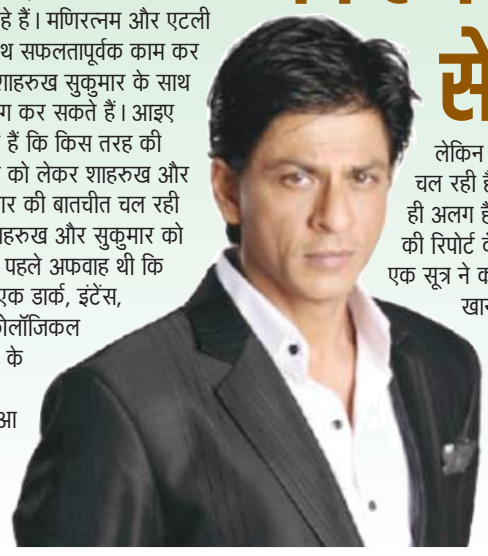

बॉलीवुड के किंग खान 'पुष्पा 2' के निर्देशक सुकुमार के साथ एक फिल्म को लेकर बातचीत कर रहे हैं। मणिरत्नम और एटली के साथ सफलतापूर्वक काम कर चुके शाहरुख सुकुमार के साथ सहयोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि किस तरह की फिल्म को लेकर शाहरुख और सुकुमार की बातचीत चल रही है। शाहरुख और सुकुमार को लेकर पहले अफवाह थी कि दोनों एक डार्क, इंटेंस, साइकोलॉजिकल थ्रिलर के लिए साथ आ सकते हैं, लेकिन अब जो चर्चा चल रही है वह बिल्कुल ही अलग है। मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने कहा, किंग खान एक एंटी-हीरो की भूमिका निभाएंगे, लेकिन यह एक ग्रामीण राजनीतिक एक्शन ड्रामा होगा, जिसमें उन्हें एक देहाती और देसी अवतार में दिखाया जाएगा। यह जाति और वर्ग उत्पीड़न जैसे सामाजिक मुद्दों को भी उजागर करेगा। अगर दोनों रोमांटिक ड्रामा है। वहीं, शाहरुख खान 'किंग' और 'पठान 2' है। कहा जा रहा है कि इसके लिए करीब दो साल तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

बॉलीवुड | मसाला

शाहरुख खान को आखिरी बार 'डंकी' में देखा गया था। यह फिल्म 21 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसी साल किंग खान की फिल्म 'जवान' और पठान भी रिलीज हुई थी। अब शाहरुख खान 'किंग' में अपनी बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे। किसी फिल्म के लिए एक साथ आते हैं तो फैंस को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। दोनों ही कई प्रोजेक्ट्स में अभी व्यस्त हैं। सुकुमार के पास राम चरण के साथ 'आरसी 17', 'पुष्पा 3 : द रैम्पेज' और एक

बच्चों को किडनैप कर ले जाती है ये भूतनी सीने में छिपा कर हो जाती है गायब

एक भूतनी, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह बच्चों को किडनैप कर ले जाती है। वह उनको अपने सीने में छिपा कर गायब हो जाती है। जिससे डरे लोगों में खौफ पैदा हो गया है। इस भूतनी को लेकर पीढ़ियों से एक डरावनी कहानी चली आ रही है, जिसने बुरा व्यवहार करने वाले युवाओं के दिलों में डर पैदा कर दिया है। डेलीस्टार की रिपोर्ट के अनुसार, लोककथाओं के अनुसार- वेवे गोम्बेल नाम की एक महिला थी। शादी के कई सालों बाद तक उसे कोई बच्चा नहीं हुआ। जैसे-जैसे समय बीतता गया, उसके पति को एहसास हुआ कि उसकी पत्नी बांझ है। उसने उससे प्यार करना बंद कर दिया। जिससे वेवे गोम्बेल दुखी रहने लगी। एक दिन उसने अपने पति का पीछा किया। उसने उसे दूसरी महिला के साथ बिस्तर पर पाया। अपने पति के धोखे से आहत होकर वह क्रोधित हो गई। वह अपने पति को मार डालती है। बदले में उसके पड़ोसियों ने उसे ढूंढ निकाला। कहा जाता है कि अपने उग्र पड़ोसियों से घिरी वेव गोम्बेल ने अपनी जान ले ली। अब उसकी आत्मा इधर-उधर भटकती है। वह बच्चों को किडनैप कर ले जाती है। वह उनको अपने सीने में छिपा कर गायब हो जाती है। यह कहानी लोगों के बीच खौफ का कारण बनी हुई है। इस भूतनी ने इंडोनेशिया में स्थानीय लोगों के बीच चिंता पैदा कर दी है। रियल-लाइफ के मामले अब भूत-प्रेत और खून से लथपथ वेव गोम्बेल की अफवाहों से जुड़े हुए हैं। 2017 के एक मामले में एक बच्चा बिना किसी सुराग के गायब हो गया और उस समय कुछ बेतुके दावे किए गए। कहा गया है कि उसे भूतनी वेव गोम्बेल किडनैप करके ले गई है। लेकिन इंडोनेशिया की मेडन सिटी में लड़के के मिसिंग होने के एक दिन बाद, वह भटकता हुआ एक झाड़ी में मिला था। स्थानीय बुजुर्ग महिलाएं भूतनी वेवे गोम्बेल की कहानी को लेकर कुछ उलझन में हैं। कुछ का मानना है कि भूतनी को गलत समझा जाता है। लापता बच्चों के प्रति उसकी नफरत उसकी बांझपन से आती है। हालांकि लोककथाओं से पता चलता है कि वह केवल उन्हीं बच्चों को अपने साथ ले जाती है, जिनके पेरेंट्स दुर्व्यवहार करते हैं।

अजब-गजब | बंदूकों के साथ दफनाया गया ये शख्स

जिससे परलोक में अपनी रक्षा कर सके सुंदर दिखे इसलिए टोपी भी पहनाई

दुनिया में कई जगह मृत्यु के बाद लोगों को पारंपरिक हथियारों के साथ दफनाने की परंपरा रही है। कुछ दिनों पहले जर्मनी में पाषाण और मध्य युग की कुछ कब्रें खोदी गई थीं। उनमें भी मिट्टी के बर्तनों के साथ हथियार मिले थे। इनमें तलवारें, भाले, ढाल, हड्डी की कंघी जैसे सामान शामिल थे। लेकिन आज एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। एक शख्स को बंदूकों के साथ दफनाया गया ताकि परलोक में वह अपनी रक्षा कर सके। उसे कई मशीनगनों, रिवाल्वर से पूरी तरह ढंककर दफन किया गया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, मामला इक्वाडोर का है। यहां 39 साल के मैनुएल जूलियन सेविलानो बस्टामांटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बस्टामांटे यहां के ड्रग तस्करी गिरोह 'लॉस फैटेल्स' का नेता था। उसके गिरोह में हजारों की संख्या में लोग शामिल हैं। जब उसकी मौत हुई तो उसके साथियों ने ताबूत को मशीनगनों, बन्दूकों और यहां तक कि एक रिवॉल्वर से भर दिया ताकि वह 'मृत्यु के बाद भी पूरी तरह से हथियारों से लैस रहे और अपनी रक्षा कर सके। उन्होंने उसे पहनने के लिए एक टोपी भी दी ताकि वह सेंट पीटर के गेट पर सबसे अच्छा दिख सके। अधिकारियों के मुताबिक, इक्वाडोर के लॉस रियोस क्षेत्र में काम ड्रग तस्करी करने वाले बस्टामांटे बीते दिनों जब अपनी 20 साल की बेटी और एक सुरक्षा गार्ड के साथ जा रहा था तब उस पर गोलियों की बारिश की गई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई थी। हालांकि, अभी तक किसी गिरोह ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है। अफसरों ने बताया कि हो सकता है कि ड्रग तस्करी गिरोहों के बीच संघर्ष हुआ हो। इसकी जांच की जा रही है। इक्वाडोर में ड्रग तस्कर गिरोहों के बीच हिंसा तेजी से बढ़ी है। 2022 में इन संघर्षों में 4600 से ज्यादा लोगों की मौतें हुईं, जो पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हैं। 2023 की पहली छमाही में 3568 लोग अब तक मारे जा चुके हैं और नया रिकॉर्ड बनने की ओर है। इस साल की शुरुआत में तीन राजनेताओं की हत्याएं भी हुई थीं, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था।

तेल के खेल में उलझा कर महंगाई के आंसू रुला रही मोदी सरकार : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष बोले- पेट्रोल-डीजल की कीमतों से जनता को लूटा जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए सरकार व पीएम मोदी पर करारा वार किया है। राज्य सभा सांसद ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पेट्रोल एवं डीजल की कीमतें न घटाकर जनता को लूट रही है।

खरगे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है, लेकिन सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों कम नहीं कर रही है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कच्चे तेल की क़ीमत रही है लगातार लुढ़क, पेट्रोल-डीज़ल की क़ीमतों को न घटा, मोदी सरकार जनता को लूट रही बेधड़क। लंबे-लंबे एकतरफ़ा पॉडकास्ट कर मोदी जी जनता को केवल मन की बात सुनाते हैं। तेल के खेल में उलझा कर महंगाई के आंसू रुलाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मई 2014 से अब तक 34 प्रतिशत गिरा कच्चा तेल, 10 साल में 36 लाख़ करोड़ रुपये का कर वसूली खेल।

हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने वाला है बजट : प्रतिभा सिंह

हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने विधानसभा में प्रस्तुत बजट को प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम बताया है। बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रतिभा सिंह ने प्रदेश हित में रोजगारोन्मुख व विकासोन्मुख बताते हुए इसके लिए प्रदेश की कांग्रेस सरकार व प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि बजट में समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मनरेगा व दिहाड़ीदार, आउटसोर्स कर्मचारियों की दिहाड़ी में बढ़ोतरी, कर्मचारियों को डीए की किस्त, किसानों- बागवानों को राहत सराहनीय निर्णय है। बजट प्रदेश के विकास को एक नई दिशा व गति प्रदान करेगा।

मध्य प्रदेश सरकार ने जनता को कर्ज में डुबोया : बाला बच्चन

चर्चा हुई। इस दौरान कांग्रेस विधायक पूर्व मंत्री बाला बच्चन ने कहा कि 2024-25 और 2025-26 के राजकोषीय घाटे में 25प्रतिशत का अंतर है। सरकार मध्यप्रदेश की जनता को कितना कर्ज में डुबोएगी। 31 मार्च 2026 तक 28 हजार 236 करोड़ रुपए कर्ज का ब्याज हमें चुकाना होगा। राजकोषीय प्राप्ति यानी आमदनी बढ़ाने में भी सरकार फेल साबित हो रही है। वहीं प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने मंडला में नक्सली एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए सदन से वॉक आउट किया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा वर्ष 2024-25 में 18,706 करोड़ 58 लाख 73 हजार 447 की अनुपूरक राशि के लिए प्रस्ताव दिया। इसके बाद अनुपूरक बजट चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

पत्र का जवाब आज तक नहीं आया

बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने कहा कु पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखा था कि कर्ज लेने की सीमा को बढ़ाया जाए। उस पत्र का जवाब आज तक नहीं आया है लेकिन राज्य सरकार मनमाने तरीके से कर्ज लेती जा रही है। राजकोषीय प्राप्ति यानी आमदनी बढ़ाने में भी सरकार फेल साबित हो रही है।

भाजपा सिर्फ हिंदू मुस्लिम को लड़वाना चाहती है : अंसारी

» गिरिडीह में हुए विवाद पर राजनीतिक बयानबाजी तेज

» सता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गिरिडीह। होली के दिन गिरिडीह के घोड़थंबा में दो समुदायों के बीच हुई झड़प अब झारखंड की राजनीतिक तपिश को बढ़ा चुका है। प्रदेश भाजपा के तमाम बड़े नेता चाहे वो बाबूलाल मरांडी हो या पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास राज्य सरकार पर हमलावर हैं। दोनों नेताओं के द्वारा घटना स्थल का जायजा लिया गया। भाजपा के या से राज्य सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया गया है

वहीं, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सिर्फ हिंदू मुस्लिम में लड़वाना चाहती है। पिछले दिनों राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास गिरिडीह घटना स्थल पहुंचे। रघुवर दास ने अधिकारियों को जमकर फटकारा। उन्होंने कहा कि आपसी सौहार्द कायम रखने का ठेका सिर्फ हिंदू समाज ले रखा है क्या? मीडिया को सम्बोधित करते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया, कहा कि अब राज्य में हिंदू समाज शांति पूर्वक अपना त्योहार भी नहीं मना सकता, सड़क क्या किसी की बपौती है। राज्य सरकार सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करती है, वो शायद भूल रहे हैं कि सरकार की जिम्मेदारी है, सभी समुदायों की सुरक्षा। न की केवल एक समुदायों के लिए कार्य करना।

भाजपा नेताओं का तांडव कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

जहां भाजपा पूरी तरह राज्य सरकार पर हमला है। दूसरी ओर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने बड़ा बयान दे दिया। उन्होंने जनता को संदेश देते हुए कहा, झारखंड में आपसी भाईचारे को बनाकर रखें। सौहार्द को न बिगड़ने दें। भाजपा नेताओं का तांडव कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने तंज कष्ट हुए कहा, छत्तीसगढ़ के तथाकथित नेता माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भाइयों के बीच अगर लड़ाई हो तो उसे समझना चाहिए, न कि आग लगाने का काम करना चाहिए। ऐसे नेताओं पर पुलिस त्वरित कार्रवाई करे। किसी भी सूरत पर झारखंड का सामाजिक सौहार्द को नहीं बिगड़ने दिया जाएगा। पुलिस भाजपा के दवाब में काम न करें, दोषियों पर उचित कारवाई करें।

हर जिले में किया जाएगा आंदोलन : बाबूलाल

नेता प्रतिपक्ष सह प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह के घोड़थंबा में होली जुलूस पर पथराव और आगजनी के शिकार पीड़ितों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। पीड़ितों से मुलाकात करने के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा, गिरिडीह में जो हुआ रूह कंपाने वाली घटना और बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आज अपने ही देश में हिंदुओं को अपना त्योहार मनाने पर प्रताड़ित किया जा रहा है। राज्य सरकार हिंदू समाज के भावनाओं के साथ खेलना बंद करें। हिंदू समाज के ऊपर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ हर जिले में जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

बस्ती में भाजपा नेताओं ने बार-बालाओं पर लुटाए रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता का बार-बालाओं पर नोट उड़ाने का वीडियो इस समय बस्ती में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद समाजवादी पार्टी ने जोरदार तंज कसा है। दरअसल, बस्ती जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी और पूर्व एमएलसी मनीष जयसवाल का बार-बालाओं के साथ वीडियो खूब वायरल हो रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी जहां बार बालाओं पर रुपये उड़ा रहे हैं। वहीं पूर्व एमएलसी मनीष जयसवाल बार बालाओं के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं। दरअसल, इन दिनों बीजेपी के जिला पंचायत सदस्य प्रमोद कुमार और बीजेपी के जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी के बीच मतभेद चल रहा है।

एमसीडी बजट पर बीजेपी-आप में रार

» दोनों दलों ने अपने-अपने प्रस्ताव किए पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी का वर्ष 2025-26 का बजट बुधवार को पास करने के दौरान भाजपा और आम आदमी पार्टी पार्षदों के बीच टकराव होने के आसार हैं। दोनों दलों ने सदन में अपने-अपने प्रस्ताव पेश किए हैं। भाजपा के अधिकतर प्रस्ताव स्कूलों में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने, सफाई व्यवस्था में सुधार, कूड़े व मलबे की समस्या दूर करने आदि समस्याओं का समाधान करने से जुड़े हुए हैं।

वहीं आम आदमी पार्टी के स्कूलों में बेहतर सुविधा उपलब्ध, सफाई व्यवस्था में सुधार, कूड़े व मलबे की समस्या दूर करने, मेयर समेत अन्य मदों में राशि कम करने के प्रस्ताव दिए है। किसी भी दल के पास पूर्ण बहुमत न होने के कारण उन्हें अपने प्रस्ताव पास कराने में परेशानी हो सकती है। इस कारण कांग्रेस पार्षदों की भूमिका अहम हो गई है।

आप का 121 पदों की कटौती का विरोध

एमसीडी के 2025-26 के बजट अनुमानों के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों के पदों में कटौती का आप ने विरोध जताया है। एमसीडी में प्रस्तावित संशोधन के तहत विभिन्न विभागों में 121 पदों की कटौती का प्रस्ताव है। आम आदमी पार्टी ने इस प्रस्ताव को निरस्त करने का प्रस्ताव पेश किया है। उसने कहा है कि किसी भी लेखाशीर्ष में वर्तमान में स्थापित पदों को समाप्त नहीं किया जाना चाहिए न ही कोई अतिरिक्त पद सृजित किया जाना चाहिए।

कांग्रेस का रुख पर होगा फैसला

सदन में भाजपा को आप पर सिर्फ चार पार्षदों की बढ़त हासिल है, लेकिन कांग्रेस पार्षद जिस पक्ष का समर्थन करेंगे, उसके प्रस्तावों को पारित कराने में मदद मिलेगी। कांग्रेस अभी तक अपने रुख को लेकर स्पष्ट नहीं है, लेकिन अगर वह मतदान से दूर रहती है तो भाजपा के प्रस्ताव पास होने की संभावना अधिक है। यदि कांग्रेस ने आप का समर्थन किया तो कर्मचारियों के वेतन और नियमितीकरण से जुड़े प्रस्ताव पास हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्षदों की राय बंटी हुई है। कुछ पार्षद कर्मचारियों के समर्थन में हैं, जबकि कुछ सफाई और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने के पक्ष में हैं।

मुश्किल दौर में हार नहीं मानता : पांड्या

» आईपीएल-25 से पहले एमआई के फैंस का मिलेगा प्यार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने आईपीएल 2025 से पहले उम्मीद जताई है कि मुंबई इंडियंस के फैंस का उन्हें प्यार मिलेगा। साथ ही उनका कहना है कि पिछले कुछ महीनों में उनके लिए समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया, लेकिन वह मुश्किल परिस्थितियों में हार नहीं मानने के अपने जज्बे के कारण मैदान पर डटे रहे।

पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाए जाने के बाद हार्दिक पंड्या को दर्शकों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बाद उन्होंने भारत की टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल 2025 की तैयारी में जुड़े इस ऑलराउंडर को उम्मीद है कि इस बार उन्हें मुंबई इंडियंस के फैंस का प्यार मिलेगा। 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के 18वें सीजन से पहले जियो हॉटस्टार से पंड्या ने कहा कि, मैं कभी हार नहीं मानता। मेरे करियर में कुछ ऐसे दौर भी आए जब मेरा ध्यान जीतने के बजाय खेल में बने रहने पर लगा था। मुझे अहसास हुआ कि मेरे साथ जो कुछ भी हो रहा है क्रिकेट हमेशा मेरा सच्चा दोस्त बना रहेगा। मैंने खुद का समर्थन किया और जब मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई तो ये उससे भी ज्यादा था जितना मैंने सोचा था। इस 6 महीने के समय में हमने वर्ल्ड कप जीता और स्वदेश लौटने पर जो प्यार और समर्थन मुझे मिला उससे मैं अभीभूत था। मेरे समय समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया था। इस स्टार ऑलराउंडर को पूरा विश्वास था कि अगर वह पूरे लगन से अपना काम करते रहे तो मजबूत होकर वापसी करेंगे।

आईपीएल में बुमराह से लगता है डर : कोहली

विराट कोहली अभी आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 8004 रन हैं। बुमराह की बात करें तो उन्होंने अपने आईपीएल की पहली विकेट विराट कोहली की ही ली थी। कोहली समेत इस मैच में उन्होंने 3 विकेट चटकाए थे। बुमराह अभी सबसे खतरनाक गेंदबाजों में शुमार हैं और विराट कोहली ने भी उन्हीं का नाम लिया, जिसके सामने आईपीएल में खेलने में उन्हें मुश्किल होती है। आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली अभी आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 8004 रन हैं।

बिहार में बच्ची की मौत पर सियासत में उबाल

» एलजेपीआर नेता पुत्र पर हत्या का आरोप
» राजद व जदयू में आरोप-प्रत्यारोप जारी
» तेजस्वी ने नीतीश सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले में एक 13 वर्षीय बच्ची की संदिग्ध मौत का मामला अब राजधानी पटना के सियासी गलियारों तक पहुंच चुका है। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की सक्रियता के बाद यह घटना न सिर्फ राजनीतिक तूल पकड़ चुकी है, बल्कि दलित उत्पीड़न के आरोपों के कारण सामाजिक रूप से भी संवेदनशील बन गई है।

तेजस्वी यादव ने इस मामले को लेकर न सिर्फ सरकार पर सीधा हमला बोला, बल्कि राजद की एक जांच टीम को मौके पर भेजकर पीड़ित परिवार से मुलाकात भी करवाई। टीम के नेतृत्व में पहुंचे पूर्व मंत्री सह राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश पासवान ने मोबाइल पर तेजस्वी यादव की पीड़ित परिवार से बात कराई। इस बातचीत में तेजस्वी यादव ने पीड़ितों को न्याय का भरोसा दिलाया और पार्टी नेताओं को अंतिम दम तक संघर्ष करने का निर्देश दिया।

मृतका के पिता ने लगाए गंभीर आरोप

वहीं, दर्ज प्राथमिकी में मृतका के पिता विनय पासवान ने साफ तौर पर घटना को सुनियोजित साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि होली खेलने के दौरान कुछ स्थानीय बच्चों द्वारा एक घर की दीवार पर कीचड़ गिर जाने के बाद, मनोज सिंह, विनोद सिंह और रंजन कुमार उर्फ सन्नी ने बच्चों से गाली-गलौज की और धमकी दी। इसके बाद रंजन कुमार ने जानबूझकर कार चलाकर बच्ची को टक्कर मारी, जिससे उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई और बाद में अस्पताल में मौत हो गई। साथ ही उनकी पत्नी की बहन की बेटी मुस्कान कुमारी भी घायल हुई, जिसका इलाज चल रहा है।

मुख्य आरोपी लोजपा (रामविलास) नेता का बेटा

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि मुख्य आरोपी रंजन कुमार उर्फ सन्नी, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश महासचिव और रफीगंज से विधानसभा चुनाव लड़ चुके मनोज सिंह का बेटा है। मनोज सिंह और उनके भाई विनोद सिंह भी इस मामले में सह आरोपी हैं। इसी कारण घटना ने राजनीतिक रंग पकड़ लिया है और अब यह सत्ता और विपक्ष के बीच सियासी लड़ाई का मुद्दा बन गया है।

राजद प्रतिनिधिमंडल ने जताई गहरी आशंका

पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद राजद के प्रतिनिधिमंडल के संयोजक डॉ. सुरेश पासवान ने कहा कि यह महज दुर्घटना नहीं लगती, बल्कि एक इरादतन हमला प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि घटना की शुरुआत एलजेपीआर नेता के घर की दीवार पर होली की कीचड़ पड़ने से हुई, जिसके बाद गाली-गलौज और फिर जानलेवा हमला हुआ। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के मोबाइल का सीडीआर खंगालने और घटनास्थल की पूरी फॉरेंसिक जांच करने की मांग की। डॉ. पासवान ने कहा कि राजद इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक से भी मिलकर निष्पक्ष जांच की मांग करेगी। प्रतिनिधिमंडल में राजद के एससी-एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनील कुमार साधु, जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुशवाहा, प्रदेश महासचिव युसूफ आजाद अंसारी सहित कई नेता शामिल थे।

पूर्व सांसद ने की निष्पक्ष जांच की मांग

वहीं, औरंगाबाद के पूर्व सांसद व भाजपा नेता सुशील सिंह ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह पीड़ितों के साथ हैं और निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक और जातीय भावनाओं को भड़काने वाली खबरों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि घटना को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की जा रही है, जबकि एक व्यक्ति की गलती पूरे समाज पर थोपना उचित नहीं है।

एलजेपीआर नेताओं ने भी पीड़ित परिवार से की मुलाकात

घटना के बाद एलजेपीआर के जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह ने भी पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी पार्टी भी अपने स्तर से जांच कर रही है और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यूपी में 32 आईपीएस अधिकारी इधर से उधर

» हेमंत कुटियाल को पुलिस उप महानिरीक्षक सेनानायक, विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा, के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार
» कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं मुख्यालय से पुलिस उपमहानिरीक्षक, एसएसएफ, की जिम्मेदारी मिली है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस तंत्र में बड़ा फेरबदल किया गया है। मंगलवार को सुबह-सुबह 32 आईपीएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। शासन के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने 32 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। हेमंत कुटियाल को पुलिस उप महानिरीक्षक सेनानायक, विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा, लखनऊ के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं मुख्यालय, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, एसएसएफ, लखनऊ की जिम्मेदारी मिली है।

वहीं शालिनी को पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक, 41वीं वाहिनी पीएसी, गाजियाबाद से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी अनुभाग, मुरादाबाद बनाया गया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक सेनानायक, 49वीं वाहिनी पीएसी, गौतमबुद्धनगर में तैनात स्वप्निल ममगाई को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी अनुभाग, मेरठ बनाया गया है।

वहीं डी. प्रदीप कुमार को पुलिस उपमहानिरीक्षक सेनानायक, 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र से पुलिस उपमहानिरीक्षक/अतिरिक्त सचिव, उप्र पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। अरुण कुमार श्रीवास्तव को पुलिस उपमहानिरीक्षक/ सेनानायक, 10थी याहिनी पीएसी बाराबंकी से पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी अनुभाग, अयोध्या की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सूर्यकांत त्रिपाठी को पुलिस उपमहानिरीक्षक पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, वाराणसी से पुलिस उपमहानिरीक्षक, फायर सर्दिस मुख्यालय, लखनऊ भेजा गया है।

विकास कुमार वैद्य को पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक, 39वीं वाहिनी पीएसी मिर्जापुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक, स्थापना, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र, लखनऊ भेजा गया है। इसके अलावा राजेश कुमार सक्सेना को पुलिस पुलिस उपमहानिरीक्षक सेनानायक, सेनानायक, 25वीं वाहिनी पीएसी रायबेरली से पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीटीएस सुल्तानपुर की जिम्मेदारी दी गई है।

सुनीता सिंह बनीं डीआईजी पीएसी मुख्यालय

सुनीता सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक, 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी मुख्यालय, लखनऊ भेजा गया है। वहीं कमला प्रसाद यादव को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, उप्र, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, ग्रेनिसं, उप्र, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। तेज स्वरूप सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, कार्मिक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र, लखनऊ भेजा गया है। ह्रदेश कुमार को पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट, वाराणसी से पुलिस उपमहानिरीक्षक, ईओडब्ल्यू मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है।

प्रतीक्षारत पुलिस महानिरीक्षक डॉ. प्रीतिन्दर सिंह की भी तैनाती

प्रतीक्षारत पुलिस महानिरीक्षक डॉ प्रीतिन्दर सिंह को पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी, मध्य जोन, लखनऊ बनाया गया है। अपर्णा कुमार को पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी, मध्य जोन, लखनऊ से पुलिस महानिरीक्षक, मानवाधिकार, उप्र, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अशोक कुमार को पुलिस उपायुक्त/अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, गौतमबुद्धनगर से पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय अभिसूचना, गोरखपुर बनाया गया है।

ईडी ने लालू, राबड़ी और तेजप्रताप को किया तलब

» जमीन के बदले नौकरी घोटाले में पूछताछ के लिए बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने जमीन के बदले नौकरी धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए राजद अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजप्रताप यादव को तलब किया है। इस मामले में अब ईडी एक्शन मोड में आ गई है।

ये जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को साझा की है। 76 वर्षीय लालू प्रसाद यादव को बुधवार को पटना में संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है, जबकि उनके परिजनों को मंगलवार को पेश होने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि तीनों के बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किए जाने हैं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्य एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हो सकते हैं। इस मामले में प्रसाद और उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है।

दंगे और मस्जिद पर हमले आरएसएस व बीजेपी का काम : संजय राउत

» बोले शिवसेना यूबीटी नेता- औरंगजेब की कब्र शौर्य का प्रतीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। औरंगजेब की कब्र पर महाराष्ट्र में शुरू हुई सियासत के बीच नागपुर में हिंसा भड़की है। इसी बीच उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के नेता संजय राउत के बयान पर सियासत गरमा गई है। संजय राउत ने कहा है कि औरंगजेब की कब्र को नहीं हटाया जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि नागपुर में दंगा हिंदुओं ने भड़काया। उन्होंने देवेंद्र फडणवीस सरकार पर भी निशाना साधा। संजय राउत ने कहा कि आक्रमक महाराष्ट्र, छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठा के ऊपर विजय प्राप्त नहीं कर पाए। उनकी कब्र महाराष्ट्र में बनानी पड़ी। यह इतिहास है और इतिहास वैसा ही रहना चाहिए। लेकिन कुछ लोग अब नए-नए हिंदुत्ववादी पैदा हुए हैं। नये लोगों को इतिहास का क्या पता? उन्होंने कहा कि उन्हें महंगाई पर, किसानों की आत्महत्या पर बोलना चाहिए। इन मुद्दों को लेकर आंदोलन करना चाहिए। संजय राउत ने कहा कि नागपुर हिंसा का कोई कारण नहीं है। नागपुर में क्रस का मुख्यालय है। साथ ही, यह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का क्षेत्र भी है। इसका मतलब है कि हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? उन्होंने कहा कि एक नया पैटर्न दिख रहा है। यह पैटर्न हिंदुओं को डराने और एक ही समुदाय के लोगों को आपस में लड़ाने का है।

सदन में विपक्ष का प्रहार, कांग्रेस व टीएमसी ने घेरा

राज्यसभा में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के मुद्दे पर चर्चा की मांग, अनुमति नहीं मिलने पर विपक्ष ने सदन से किया वॉकआउट

» पीएम मोदी ने कुंभ पर दिया लोस में बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। होली के बाद शुरू हुई संसद में फिर हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष ने कई मुद्दों को लेकर सदन में एनडीए सरकार को घेराद्ध उधर संसद की कार्यवाही में कांग्रेस-टीएमसी ने राज्यसभा में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के मुद्दे पर चर्चा की मांग की। जिसकी अनुमति नहीं दी गई तो विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

बता दें संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। 10 मार्च से शुरू हुआ ये सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा. इस चरण में कुल 16 बैठकें होने वाली हैं। इस सत्र में सरकार वक्फ संशोधन समेत करीब 36 बिल पेश करेगी। उधर लोस में पीएम मोदी ने कहा, हमने डेढ़ महीने तक भारत में महाकुंभ का उत्साह देखा। उमंग को अनुभव किया। कैसे सुविधा-असुविधा की चिंता से ऊपर उठते हुए कोटि-कोटि श्रद्धा भाव से जुटे। ये हमारी बहुत बड़ी ताकत है। ये उमंग, ये उत्साह सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था। बीते हफ्ते मैं मॉरीशस में था। मैं त्रिवेणी से महाकुंभ का पावन जल लेकर गया था, जब उस पवित्र जल को मॉरीशस के गंगा तलाब में अर्पित किया गया तो वहां जो श्रद्धा, आस्था, उत्सव का माहौल था, वो देखते ही बनता था। ये दिखाता है कि आज हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को आत्मसात करने की, उन्हें सेलिब्रेट करने की भावना कितनी प्रबल हो रही है।

अवधेश प्रसाद ने पीएम मोदी के भाषण पर उठाए सवाल

प्रधानमंत्री के भाषण के बाद विपक्ष ने अपनी बात रखने की मांग की, लेकिन उन्हें बोलने का मौका नहीं मिला। विपक्ष ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने एकतरफा भाषण दिया और सदन में किसी को भी अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि पीएम मोदी ने मृतकों का जिक्र नहीं किया जो उनके असंवेदनशील व्यवहार को दर्शाता है। इसी वजह से विपक्षी सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।